*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

तापसी

हिंदी उत्तर पुस्तिका

6

YBPL

तापसी हिंदी उत्तर पुस्तक-6

अध्याय-1: मृदुल वंसत

1.मौखिकः स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. वसंत ऋतु का तात्पर्य है चारों ओर हरियाली और सुहावना मौसम।, 2. तंद्रालस शब्द का अर्थ है 'आलस्ययुक्त' और लालसा शब्द का अर्थ है 'तीव्र इच्छा शक्ति'। **3.** 'है जीवन ही जीवन' से कवि का तात्पर्य है कि इनमें मृत्यु नहीं है। **बहुविकल्पीय प्रश्नः** 3. अ, 2. ब, 3. ब, 4. ब।

भाषा की बातः (क) जीवनः प्राण, जिंदगी, **चरणः** पैर, पाँव, **वसंतः** ऋतुराज, बसंत, **अमृतः** सुधा, सोमरस। **(ख) 1.** बुढ़ापा, **2.** अंतिम, **3.** प्राचीन, पुरातन, **4.** जागरण। **(ग)** नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग, नपुंसकलिंग।

सोचने समझने की बातः स्वयं करें । **कुछ कहने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय-2: गिल्लू

1. मौखिकः स्वयं करें। **2. लिखितः 1.** गिल्लू गिलहरी का बच्चा था वह लेखिका को बगीचे में घायलावस्था में मिला। 2. लेखिका को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती। 3. लेखिका के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गिल्लू लेखिका की अस्वस्थता में तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजों से लेखिका के सिर और बालों को हौले-हौले सहलाता रहता। 4. लेखिका के पास बहुत-से पशु-पक्षी थे और उनका उनसे लगाव भी कम नहीं था, परंतु उनमें से किसी को उनके साथ उनकी थाली में खाना खाने की हिम्मत नहीं हुई थी। गिल्लू इनमें अपवाद था। लेखिका जैसे ही खाने के कमरे में पहुँचती, वह खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार, बरामदा पार करके मेज पर पहुँच जाता और उनकी थाली में बैठ जाना चाहता। 5. गिल्लू की नीले काँच के मोतियों-जैसी आँखें, स्निग्ध रोएँ, झब्बेदार पूँछ थी। 6. दिन भर उसने न खाया, न बाहर गया। रात में अंत की यातना में भी वह अपने झूले से उतरकर लेखिका के बिस्तर पर आया। अपने ठंडे पंजों से उनकी वही उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया, जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परंतु सुबह होते ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया। 7. गिल्लू लिफ़ाफे के भीतर बंद स्थिति में कभी-कभी घंटों मेज़ पर दीवार के सहारे खड़ा रहकर, वह अपनी चमकीली आँखों से, लेखिका का कार्यकलाप देखा करता। भूख लगने पर चिक्-चिक् करता और काज या बिस्कुट मिल जाने पर, उस स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर उसे कुतरता रहता। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. अ, 2. स, 3. स. स, 4.द

5. अ, **(4)** 1. कौआ-कौवी, 2. गिल्लू, 3. कार्यकलाप, 4. थाली, 5. सोनजूही, 6. सुराही, 7.हीटर। **(5)** 1.✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✗ 7. ✗ ।

भाषा की बात: (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा : काजू, नीम, चमेली। **जातिवाचक संज्ञा :** गिलहरी, कौआ, कमरा, लेखिका, प्राणी, बिल्ली।

सोचने-समझने की बात : स्वयं करें।

कुछ करने की बात : स्वयं करें।

अध्याय-3: मित्र का चुनाव

1.मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1.मित्र का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। सच्चा मित्र संकट के समय हमारी सहायता करता है।, 2. मित्रता ईमानदार, सभ्य व दूसरों की बुराई न करने वाले लोगों से करनी चाहिए, 3. बुरे लोगों से तटस्थता का व्यवहार रखना चाहिए। 4. हमें बुरे, स्वार्थी व बेईमान लोगों से मित्रता करने से बचना चाहिए। 5. दोस्ती करते समय हमें व्यक्ति के चरित्र, स्वभाव व सद्गुणों पर ध्यान देना चाहिए। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3).** अ, **2.** द, **3.** द, **4.** ब, **5.** द, **(4)** 1. बुराई, 2. सच्चाई, 3. बराबर वालों, 4. पैमाने, 5. अच्छे,। **(5)**1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ । **भाषा की बात :**(क)1. हमारा मित्र विश्वासपात्र व ईमानदार होना चाहिए। 2. समाज में कर्मठ लोगों का सम्मान होता है। 3. भारत असहिष्णुता के लिए दुनिया में प्रसिद्ध है। 4. हनुमान और सुग्रीव में घनिष्ठ मित्रता थी। 5. हमें अपना कार्य ईमानदारी से करना चाहिए। (ख) 1. मित्र, सखा, यार, 2. विश्व, संसार, जगत, 3. व्यक्ति, मनुष्य, इंसान, 4. तात, बाप, पित्र, 5. शत्रु, वैरी, अरि, (ग) 1 . मकान, 2. हृदय, 3. सामान, 4. कार्य, 5. पिताजी, 6. परिस्थिति, 7. भुजा, 8. चमत्कार, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-4 : रामप्रसाद 'बिस्मिल'

1.मौखिक : स्वयं करें। **लिखित :** 1. रामप्रसाद ने तिलक को बग्घी में बैठाकर उन्हें जुलूस के रूप में शहर में घुमाया। 2. रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन' संगठन बनाया था। उसका उद्देश्य शोषण रहित समाज की स्थापना करना था। 3. धन की कमी दल वालों को सदैव खटकती रही। इसलिए रामप्रसाद ने 'रेल का खजाना लूटने की योजना बनाई। 4. 'बिस्मिल' की आँखों में आँसू देखकर माँ ने कहा था-'मेरे बेटे यह तू क्या कर रहा है? यदि तू रोते हुए मौत का सामना करना चाहता है तो तूने आजादी की लड़ाई में हिस्सा ही क्यों लिया। 5. रामप्रसाद जी कुछ बुरी आदतों के शिकार हो गए वे सिगरेट पीने लगे। कभी-कभी पिताजी के पैसे भी उड़ाने लगे। पैसे से किस्से कहानी खरीदकर खूब पढ़ते। पिता द्वारा संदूक खोलकर देखा गया तो उसमें बहुत सारे रूपये मिल गए। कुछ उपन्यास और गजल की किताबें

भी मिली। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.** ब, 2. ब, 3. अ, **(4)**1. मंदिर, 2. स्वामी दयानंद, 3. 96, 4. माँ, 5. पढ़ाई, **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

भाषा की बात: (क) लेखन, खटक, लूट, कमाई, मिलन, (ख) 1. संबंधकारक, 2. कर्मकारक, 3. अधिकरण कारक, 4. कर्मकारक, 5. संबंधकारक, **(ग)** सुख, परतंत्रता, गुलामी, असाधारण, अनावश्यक, **(घ)** . 1.नवीन बचपन में बुरी आदतों का शिकार हो गया था। 2. भगत सिंह देश-सेवा के महान यज्ञ में कूद पड़े। 3. पदोन्नति की खबर सुनकर उसके मन में खुशी की लहरें उठने लगीं। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-5 : नीलू

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. उत्तरायण में दो पहाड़ियों के बीच से एक पगडंडी मोटर मार्ग तक जाती थी, उसके अंत में मोटर-स्टक्रप पर एक ही दुकान थी, जिससे आवश्यक खादूय सामग्री प्राप्त की जा सकती थी। शीतकाल में यह रास्ता बर्फ से ढक जाता था। उस समय उत्तरायण के निवासी दुकान तक पहुँचने में असमर्थ रहते थे। इसलिए वे लूसी के गले में रुपए और सामग्री की सूची के साथ एक बड़ा थेला बाँधकर उसे सामान लाने के लिए भेज देते थे। 2. 'नीलू में हिंसक प्रवृत्ति का कोई चिह्न नहीं था।' लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि लेखिका ने तेरह वर्ष के जीवनकाल में उसे किसी पशु-पक्षी पर झपटते या मारते नहीं देखा था। 3. कुत्ते केवल ध्वनि पहचानते हैं। वे ध्वनि से उन्हें कही बात समझ जाते हैं। 4. एक रात लेखिका के खरगोश बिल खोदते-खोदते पड़ोस के कंपाउंड में जा निकले। उनमें से कई जो इस अभियान में अगुआ थे, जंगली बिल्ली द्वारा मार दिए गए। अत: एक के पीछे एक निकलते हुए खरगोशों को बिल्ले का आहार बन जाना पड़ा किंतु नीलू ने पत्तियों की सरसराहट से सजग होकर चारदीवारी के पार देखा और खरगोशों पर आए संकट को पहचान लिया। उसके कूदकर दूसरी ओर पहुँचते ही बिल्ला तो भाग गया, परंतु खरगोशों को बाहर निकलने से रोकने के लिए वह रातभर ओस से भीगता हुआ सुरंग के द्वार पर खड़ा रहा। यह परोपकार नीलू के लिए बहुत महँगा पड़ा। क्योंकि उसे सरदी लगने से निमोनिया हो गया। 5. नीलू आज्ञाकारी, परोपकारी व प्रेमी स्वभाव का कुत्ता था। 6. शीतकाल में सूंघने की शक्ति में रूकावट हो जाने के कारण, कुत्ते लकड़बग्घे की गंध पाने में असमर्थ रहते है। और अचानक ही उसका आहार बन जाते है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)**1. अ, 2. स, 3. ब, 4. द, 5. स, **(4)** 1. लूसी, 2. दुकान, 3. ध्वनि, 4. खरगोश, 5. मोटर, **(5)** 1. ✓, 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

भाषा की बात : (क) 1. रात: रात्रि, निशा 2. दूध: दुग्ध, पय 3. माँ: माता, जननी 4. कुत्ता: श्वान कुक्कुर 5. पक्षी: खग, विहग। **सोचने समझने की बात:** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-6 : समय

1. मौखिक: स्वयं करें। **2. लिखित:** 1. कविता के कवि का नाम सियारामशरण गुप्त है। 2. समय का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। समय बहुत मूल्यवान हे। उपयुक्त समय पर कार्य करके हमें सफलता मिलती है। समय नष्ट करने पर हम असफल हो जाते हैं। 3. जग में नाम कमाने के लिए समय के एक-एक क्षण का सदुपयोग करना जरूरी है। 4. मानव के जीवन में सही समय तब आता है जब मानव परिश्रम करके कुछ प्राप्त करना चाहता है या कुछ बनना चाहता है। 5. परिश्रमी व्यक्ति को सर्वत्र सुयोग्य प्राप्त हो जाता है। 6. समय का प्रबंधन प्रत्येक कार्य को समयानुसार करके कर सकते हैं। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.** स, 2. स, 3. ब, 4. ब, 5. द। **भाषा की बात : (क)** दुर्योग, मूल्यवान, दूर, निरुद्योगी, अविश्वास, बुरा, **(ख) अः** अलभ्य,अयोग्य, अविश्वास, **सुः** सुपुत्र, सुकर्म, सुयोग, **वि :** विशेष, विपर्याय, विलक्षण, **उपः** उपयोग, उपलक्ष्य, उपलब्धि, **(ग)** बिगड़ा, सुयोग, विश्वास, तुच्छ, परमार्थ, सौख्य, सिंचन, मनोभीष्ट, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-7 : अष्टावक्र

1.मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. महर्षि उद्दालक वेदांत का प्रचार करने वाले एक श्रेष्ठ महात्मा थे। 2. मिथिलानगरी में पहुँचकर अष्टावक्र यज्ञशाला की ओर जा रहे थे कि सड़क पर राजा जनक परिवार के साथ जाते हुए दिखाई दिए। राज-सेवक आगे-आगे कहते हुए जा रहे थे-'राजाधिराज जनक आ रहे हैं। हट जाओ, रास्ता दो, रास्ता दो।'' अष्टावक्र को जब नौकरों ने रास्ते से हटने के लिए कहा तो उन्होंने जवाब दिया-शास्त्रों में कहा गया है कि अंधो, अपाहिज, औरतें और बोझा उठाने वाले जब आ रहे हों तो स्वयं राजा को उनके लिए रास्ता देना चाहिए, और अगर वेद पढे हुए ब्राहमण जा रहे हों तो राजा भी उनको रास्ते से हटने के लिए नहीं कह सकता, समझे। बालक की गंभीर बातें सुनकर राजर्षि जनक दंग रह गए और वे अष्टावक्र से मिले। 3. अष्टावक्र और श्वेतकेतु जनक की शास्त्रर्थ यज्ञशाला में गए अष्टावक्र के पिताजी को जनक के विद्वानों ने शास्त्रार्थ में हराकर समुद्र में डुबोया था। अष्टावक्र उसी का ऋण चुकाने आया था। 4. अष्टावक्र ने द्वारपाल से कहा-'' भाई द्वारपाल! बालों का पक जाना उम्र की पक्की होने की निशानी नहीं है। किसी ऋषि ने यह नहीं कहा कि बूढ़ी आयु, पके बाल, धन-दौलत और बंधु-मित्रें की भीड़ के होने से ही कोई बड़ा बन जाता है। बड़ा वही होता है, जो वेद-वेदांगों का गहरा अध्ययन करके उसका अर्थ ठीक से समझा हुआ हो। 5. अष्टावक्र ने कहा- हम आपकी सभा के विद्वानों ने शायद कुछ नामधारी पंडितों को हराया होगा और इसी का उन्हें घमंड हो गया, मालूम होता है। मैं तो यह तब सही मानूँगा। जब मेरे-जैसे वेदांत के पहुँचे हुए विद्वान को शास्त्रार्थ में हराएँ अपनी माता के मुँह सुना था कि मेरे पिताजी को आपके विद्वानों ने शास्त्रार्थ में हराकर समुद्र में डुबोया था। अष्टावक्र उसी का ऋण चुकाने आया था। आप

विश्वास रखें कि मैं आपके विद्वानों को हराकर रहूँगा। 6. अष्टावक्र के पिता से उद्गार निकल पड़े–''यह कोई नियम नहीं कि पुत्र पिता को ही पढ़े हो सकता है, कि कमजोर पिता का ही मंद मति के विद्वान पुत्र हो। किसी की शक्ल सूरत या आयु को देखकर महानता का निर्णय करना ठीक नही बाहरी रंग–रूप अक्सर लोगों को धोखे में डालता है।'' **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. ब, 3. स, 4. अ, **(4)** 1. सुजाता, 2. विद्वत्ता, 3. आग, 4. श्वेतकेतु, 5. बच्चों। **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

भाषा की बात:(क) 1. अ+हिंसा, 2. अ+ज्ञान+ता, 3. अप+मान, 4. मूर्ख+ता, 5. अ+कथन+ईय। **सोचने समझने की बात**–स्वयं करें।

कुछ करने की बात: स्वयं करें।

अध्याय–8 : सिंगापुर

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. सिंगापुर की समृद्धि का प्रमुख कारण पर्यटन है। 2. सिंगापुर की स्थापना 1819 में सर स्टेमफोर्ड रेफल्स ने की थी। उन्हें 'ईस्ट इंडिया कंपनी' के अधिकारी के रूप में दिल्ली के तत्कालीन वायसराय द्वारा कंपनी का व्यापार बढ़ाने हेतु सिंगापुर भेजा गया था। पहले यह मलेशिया से जुड़ा हुआ था। 1965 में एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में इसका उदय हुआ। 3. मेरलायन स्टेच्यू एक मूर्ति है। यह स्टेच्यू सिंगापुर का प्रसिद्ध चिह्न है। इस स्टेच्यू का सिर शेर जैसा तथा नीचे का हिस्सा मछली जैसा है। यह चिह्न सिंगापुर में हर जगह देखने को मिलता है। 4. सैंटोसा द्वीप पर लेखक ने एक डॉलफिन शॉ, मोम की मूर्तियों का एक अजायबघर, तथा वहाँ के जंगल में शेर, बाघ, हिरन, हाथी आदि जानवरों को देखा । 5. जुरोंग पार्क एशिया का सबसे बड़ा पक्षी पार्क है। इस पार्क में 600 प्रजातियाँ और 8000 से अधिक पक्षियों का निवास है। पार्क में एक स्थान पर दक्षिणी धरुव के समान कृत्रिम बर्फीला वातावरण तैयार किया गया हे, जिसमें पेंग्विन पक्षी रखे गए हैं। 30 मीटर ऊँचा मानव–निर्मित जल–प्रपात इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देता है। पार्क में एक अनूठा शो 'ऑल स्टार बर्ड' दिखाया जाता है। जिसमें पक्षियों को टेलीफोन के माध्यम से बातें करते हुए दिखाते हैं।6. लिटिल इडियां का पूरा ढाँचा ही भारतमय थ – भारतीय परिधाान में सजी नारियाँ भारतीय पहनावे में दुकानों में समान बेचने वाले एवं बोलचाल में भी हिंदी भाषा का प्रयोग करते हुए लोग, भारतीय व्यंजनों की खुशबू समेटे एक भोजनालय जिसमें भारतीय पकवानों को विभिन्न किस्में तैयार थी। यहाँ पहुँचकर लगा, जैसे हम भारत में ही आ गए हों। 7. स्वयं करें। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. आ, 2. स, 3. ब, 4. स, 5. ब, **(4)** 1. परियों, 2. पर्यटन, 3. 35, 4. 1965, 5. लिफ्ट, **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ **भाषा की बात :** (क) प्रफुल्लित, धार्मिक, अनुशासित, भारतीय, उत्साहित, आधुनिकता।(ख) . हिमालय उत्तर दिशा में स्थित है। उसने सभी प्रश्नों के उत्तर लिखे। 2. मराठा मुगलों से हार गए। हीरे का हार

बहुत मूल्यवान होता है। 3. हमें रात को जल्दी सोना चाहिए। सोना एक कीमती धातु हैं। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-9 : पेड़ किसका

1. मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. पक्षियों और गिलहरियों की चर्चा के खास मुद्दे एक बुलबुल और उसके व्यवहार की बातें थे। 2. बुलबुल के बच्चों ने कौए से उनसे दोस्ती करने को कहा। 3. बच्चों की आवाज सुनकर कौए ने तय किया कि जब तक बच्चे उड़ने लायक नहीं हो जाते, वह उन्हें तंग नहीं करेगा। 4. कौआ बुलबुल के बच्चों को न ले जा सका क्योंकि बुलबुल के बच्चों ने उससे कहा था कि जो बहादुर होते हैं वे बच्चों के दुश्मन नहीं होते। इस बात का कौए पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा था। 5. 'तुम कामयाब नहीं हुए न! ' नन्ही ने शरारत से कहा, ''कालू दादा तुम तो ऐसे बैठे हो जैसे बुलबुल ने मारकर भगा दिया हो।'' छुटकी ने छेड़ते हुआ कहा, 'लगता है बुलबुल से हार गए।' **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. आ, 2. स, 3. स, 4. अ, 5. ब, **(4)** 1. मौसी, 2. व्यथा-कथा, 3. पंडुक, 4. चुलबुला, 5. इरादा, **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ । **(6)** 1. छटकी गिलहरी ने, गुलाबी मैना से, 2. कालू कोए ने, छुटकी गिलहरी व गुलाबी मैना से, 3. छुटकी गिलहरी ने,बुलबुल से, 4. कालू कौए ने, छुटकी गिलहरी से, **भाषा की बात : (क)** राष्ट्रीय, मानवीय, भारतीय, प्रांतीय, (ख) समान, भीरुता, अक्लमंद, खुश, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-10 : सायना नेहवाल

1.मौखिक : स्वयं करें। **लिखित : 1.** मित्तल ट्रस्ट की स्थापना युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सही राह दिखाने, उन्हें प्रोत्साहन एवं सहयोग देने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए किया गया है। **2.** सायना अन्य बच्चों से अधिक मेहनती तथा जुनूनी थी। **3.** सायना की प्रतिभा को सर्वप्रथम इनके पिता ने पहचाना। **4.** अपनी बेटी के सपने को साकार करने के लिए उनके माता-पिता ने कोई कसर नहीं छोडी। बेटी को प्रशिक्षण दिलवाने के लिए लाने और ले जाने की जिम्मेदारी इनके पिता ने उठाई। **5.** प्रशिक्षण के दौरान सायना की माँ उसके साथ जाने लगी थीं, ताकि वे उसके खाने-पीने व अन्य सुविधाओं का ध्यान रख सकें। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. द, 3. अ, 4. अ, 5. स, **(4) 1.** हिसार (हरियाणा), **2.** डॉ. हरबीर, **3.** चौक गणराज्य, **4.** 2009, **5.** राजीव गाँधी खेल रत्न, **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ **भाषा की बात : (क) जगत :** विश्व, संसार, **भारत :** हिंदुस्तान, आर्यावर्त, **बेटी :** पुत्री, तनया, **माता :** माँ, जननी, **पिता :** पितृ, जनक **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-11 : कृष्ण लीला

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. कृष्ण की बात सुनकर यशोदा ने हँसकर उन्हें गले लगा लिया। 2. कृष्ण का वर्ण श्याम (साँवला) है। 3. मीरा नंदलाल से उनके नयनों में बसने की प्रार्थना करती हैं। 4. अंतिम पंक्ति में मीरा श्रीकृष्ण की यह कहकर प्रशंसा करती है– श्री कृष्ण संतों को सुख देने वाले तथा भक्तों से प्रेम करने वाले हैं। 5. बालक कृष्ण अपनी माता से कहते हैं कि मैं चार पहर तक वंशी वृक्ष तक भटकता रहा, शाम होने के बाद घर आया। मैं बालक हूँ, मेरी बाँहें छोटी हें, मैं छींका किस प्रकार प्राप्त कर सकता हूँ। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)**1. स, 2. अ, 3. ब, (ख) **भाषा की बात : (क) नैन :** आँख, नेत्र, चक्षु, **अधार :** होंठ, ओष्ट, ओठ, **साँझ :** शाम, संधया, **बालक :** बच्चा, बाल, **(ख) भैया :** बलराम श्री कृष्ण के भैया थे। **माखन :** श्री कृष्ण बचपन में माखन चुराकर खाते थे। **मधुबन :** श्री कृष्ण मधुबन में रहते थे। **नूपुर :** नृत्यांगना पैरों में नूपुर (घुँघरू) बाँधाकर नाचती है।

सोचने-समझने की बात : स्वयं करें।

कुछ करने की बात : स्वयं करें।

अध्याय-12 : प्रतिशोध

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. शक्ति सिंह की पत्नी उसे राणा प्रताप पर आक्रमण करने के लिए मना कर रही थी। 2. शक्ति सिंह राणा प्रताप को मारना चाहता था। 3. घायल प्रताप रणक्षेत्र से जीते-जागते निकले चले जा रहे थे और मन्नाजी राणा प्रताप के वंश में युद्ध कर रहे थे जिससे मुगल मन्नाजी को प्रताप समझकर उनसे युद्ध कर रहे थे। तो शक्ति सिंह इस चातुरी को समझ गया। 4. महाराणा प्रताप को मारने के लिए उनका पीछा कर रहे दो मुगलों को शक्ति सिंह ने गोली से उड़ा दिया। इस प्रकार महाराणा प्रताप की रक्षा हुई। 5. मातृभूमि के प्रति प्रेम शक्ति सिंह को प्रतिशोध की कुत्सित भावना से बचा लेता है। 6. जब शक्ति सिंह ने सोचा कि वह उस महान राणा प्रताप से बदला लेना चाहता था जो हमेशा मातृभूमि के लिए लड़ता रहा है वह जन्म भूमि जिसका अन्न-जल उसने ग्रहण किया वह उसी के रक्षक व अपनी जाति के लोगों को मारना चाहता था। यह सोचकर शक्ति सिंह को अपने पर ग्लानि होने लगी। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.** ब, 2. ब, 3. अ, **(4) 1.** देशद्रोही, 2. अभियान, 3. सद्बुद्धि, 4. गौरव, 5. बाँहें **(5)1. ✓** 2. **✓** 3. **✗** 4. **✗** 5. **✓** 6. **✗ (6)** 1. शक्ति सिंह की पत्नी ने, शक्ति सिंह से, 2. शक्ति सिंह की पत्नी ने, शक्ति सिंह से, 3. शक्ति सिंह की पत्नी ने, स्वयं से, 4. शक्ति सिंह की पत्नी ने, शक्ति सिंह से, 5. शक्ति सिंह ने, राणा प्रताप से।

भाषा की बात : (क) पात्रता, मनुष्यता, पवित्रता, , कोमलता,,निर्बलता, दीनता, विशालता, **(ख)** गोली, बाँह, महिला, वीर, भुजा, चिनगारी, सरदार, सुहागिन, **(ग) भाई :** भ्राता, भैया, **मार्ग :** रास्ता, पथ, **रात :** निशा, रजनी, **आँख :** नेत्र, नयन, **युद्ध :** रण, लड़ाई, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-13 : चोरी

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. बिंदु नंदन और मालती का नौकर था। 2. बिंदु जब लौटकर आया तो उसके हाथ में झाड़ू थी। 3. बिंदु को मालती ने बगीचे और कोटरी में ढूँढ़ा। 4. मालती ने अंत में बिंदु को खाना इसलिए खिलाया क्योंकि उसे अपनी भूल का अहसास हो गया था। उसे अहसास हो गया था कि बिंदु का ध्यान न रख पाने के कारण वह चोरी करने लगा। 5. चोरी के बारे में नंदन के विचार थे-जब तक सब चीजें सबको नहीं मिलतीं, चोरी बंद नहीं हो सकती। चोरी अच्छी नहीं है, पर आज की स्थिति बड़ी लाचारी की हो गई है। 6. मालती बिंदु को खाने के लिए किशमिश व काजू नहीं देती थी। बिंदु ने काजू व किशमिश खाने के लिए चोरी की। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. अ, 2. अ, 3. स, **(4)** 1. संदेह, 2. मशीन, 3. मालिक, 4. बहस, 5. मेवा, 6. भूखा-प्यासा, **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ **(6)** 1. मालती ने, बिंदु से, 2. बिंदु ने, नंदन से, 3. नंदन ने, बिंदु से, 4. नंदन ने, मालती से, 5. मालती ने, नंदन से, 6. मालती ने, नंदन से।**भाषा की बात : (क)** अचानक, शक, चापलूसी, आँगन, **(ख)** ईमानदार, सिर, अशांत, सुबह, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-14 : मंत्र-तंत्र

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. कुमार बड़ा अच्छा आदमी था। उसने गाँव में एक स्थान की धूल-मिट्टी हटाकर एक चबूतरा तैयार किया। 2. लोग चबूतरे पर उठने-बैठने व आमोद-प्रमोद करने के लिए आते-जाते थे। 3. गाँव के लोग एक-दूसरे की भलाई के लिए गाँव में चौरस्ते पर या और कहीं अगर काठ-पत्थर रहता तो हटा देता। गाड़ी या आदमी के जाने में यदि किसी प्रकार की बाधाा की संभावना होती तो उसे काटकर फेंक देते या हटा देते। ऊँची-नीची जगहों को समान कर देते। जरूरत होने पर पुल बाँध देते, तालाब खोद लेते और जिससे जो हो सकता था, दान करते थे। 4. पहले गाँव वाले बदमाशी करते थे, शराब पीते थे और शराब के कारण मुखिया की आमदनी भी हो जाती थी। शराब पीकर वे उल्टे-सीधे काम करते थे और उसके लिए जुर्माना करने पर भी उसकी कुछ आमदनी हो जाती थी। पर कुमार ने गाँव को ऐसा बनाया कि वे अब न शराब पीते थे, न जीव हिंसा ही करते थे। सभी भले मानस हो गए थे। इससे मुखिया की आमदनी खत्म हो गई थी। इस बात से चिढ़कर मुखिया ने इन

लोगों के विरुद्ध राजा से शिकायत की। 5. राजा ने गाँव वालों को हाथी के पैर से कुचलकर मारने का आदेश दिया। 6. उसने उनसबको पुकारकर कहा ''देखो भाई! यह ठीक है, कि राजा अन्याय कर रहे हैं और यह भी सच है कि हाथी हम लोगों को मार डालेगा। पर तुम लोग राजा पर क्रोध न करना। जैसे अपना शरीर हमें अच्छा लगता है और उससे हम जैसा प्रेम करते हैं। राजा के शरीर से भी हम लोगों का वैसा ही प्रेम होना चाहिए''। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. स, 3. अ, 4. अ, **(4) 1.** मुताबिक, 2. कुचलकर, 3. आँगन, 4. राजा, 5. दवा, **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓। **भाषा की बात : (क)** राजाओं, लड़की, मुखियों, लड़का, आदमियों, दिन, **(ख)**1. माँ-बाप, रखा, 2. वह, था, 3. उन्होंने, किया, 4. ये, करते हैं। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-15 : श्रम

1. मौखिक: स्वयं करें। **2. लिखित: 1.** इस कविता में श्रम की तुलना व्यापारी और श्रमिकों से की गई है। 2. श्रमिक सड़क की सफाई करते हैं, घड़ी बनाते हैं, अन्न उगाते हैं, कपड़े बुनते हैं, आदि। 3. श्रम ईश्वर की तरह पूजनीय है। 4. महात्मा गाँधी की दृष्टि में श्रम का बहुत महत्त्व था। वे किसी काम को छोटा या बड़ा नहीं समझते थे। वे पुस्तकों की जिल्द स्वयं बाँधते थे, स्वयं सूत कातते थे, स्वयं अनाज के कंकड़ चुनते थे, स्वयं आटा पीसते थे तथा स्वयं ही शौचालय की सफाई करते थे। 5. गाँधी जी के लिए श्रम पूजा के समान था।, **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. द, 3. द, 4. द, **(4)** 1. घड़ी, 2. कंकर, 3. शौचालय, 4. लेखे, 5. गाँधीजी **भाषा की बात : (क)** जुलाहे, चप्पलों, पुस्तकें, घडियों, व्यापारियों, **(ख)** . लिखते हो, 2. झाड़ता है, 3. बनाता है, 4. बुनते थे, 5. सफाई करना, भाता था। **(ग) आदमी :** व्यक्ति, मानव, मनुष्य, **कपड़ा :** वसन, वस्त्र, अंब।। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-16 : पहलवान की ढोलक

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. लुट्टन सिंह एक प्रसिद्ध पहलवान था। 2. जवानी में लुट्टन सिंह सबसे बड़े पहलवान चाँद सिंह को हराकर प्रसिद्ध हुआ। 4. राजकुमार ने लुट्टन सिंह को दरबार से इसलिए निकाल दिया क्योंकि वह दंगल की जगह घोडे की रेस का शौकीन था। 5. वृद्धावस्था में लुट्टन सिंह अपने गाँव जाकर रहने लगा था। 6. लुट्टन सिंह को चिता पर पेट के बल इसलिए सुलाया गया क्योंकि वह सबसे कहा करता था कि जब मैं मर जाऊँ तो चिता पर मुझे चित्त नहीं पेट के बल सुलाना क्योंकि मैं जीवन में कभी नहीं ''चित्त' हुआ। 6. ऐसा पहलवान के लिए कहा गया क्योंकि पहलवान न रोया, न घबराया और नही विलाप किया और रातभर ढोल बजाता रहा। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. अ, 2. ब, 3. ब, 4. ब, **(ख)** . जवान, 2.

खलबली, 3. लुट्टन, 4. पंद्रह, 5. ढोल, **(ग)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗।

भाषा की बात : (क) दुर्भाग्य, निरुत्साहित, अप्रसिद्ध। **(ख)** 1. दारा सिंह ने विदेशी पहलवान को हराकर देश की लाज रख ली। 2. ढोल की आवाज पहलवान को साहस बाँधाा रही थी। 3. अब बूढ़े पहलवान के शरीर में जान नहीं है। 4. मेले में अचानक खलबली मच गई। 5. शिवाजी ने औरंगजेब को युद्ध की चुनौती दे दी। **(ग) वर्ष :** साल, बरस, **दूध :** क्षीर, दुग्ध, **गाय :** गौ, गऊ, **माथा :** मस्तक, ललाट, **चाँद :** चंद्रमा, राकेश,। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें।

कुछ करने की बात : स्वयं करें।

अध्याय-17 : दानी कुमणन

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. राजा कुमणन बड़ा दानी, प्रजावत्सल और न्यायपालक था। 2. पड़ोसी राज्य में अकाल पड़ा। 3. एक दिन महाकवि चित्रनार कुमणन से थोड़ा धन माँगने के लिए आए। उस समय कुमणन जरूरी राज-काज में लगे हुए थे। इसलिए महाकवि का संदेश पाते ही राजा ने अपने मंत्री के हाथ कुछ धन देकर उनके पास भेज दिया। महाकवि को राजा का व्यवहार अच्छा नहीं लगा। 4. एक बार महाकवि चित्रनार पड़ोसी प्रदेश के राजा वेलियान के महल में गए थे। उस समय वह आराम कर रहा था। महाकवि के आने का समाचार मिला। उनका स्वागत करने वह स्वयं नहीं आया, अपने भाई से बोला, ''तुम उनका स्वागत-सत्कार करो। थोड़ा धान देकर उनको विदा करके आओ।'' महाकवि चित्रनार ने देखा कि राजा वेलियान स्वयं न आकर अपने भाई को भेज रहा है। वे तुरंत वहाँ से उठकर चले गए। कुमणन ने बहुत हर्षित होकर उनको एक सजा-धाजा हाथी और धन-राशि देकर विदा किया। महाकवि चित्रनार उस हाथी को लेकर वेलियान के महल में गए और उनसे कहा, '' मेरे राजा! यह लो मेरी ओर से यह उपहार। यदि तुम्हारे पास मेरा सम्मान करने के लिए फुर्सत नहीं है, तो क्या हुआ? मेरे पास तुम-जैसे राजाओं का आदर करने के लिए समय भी है और सामर्थ्य भी।' राजा वेलियान लज्जित हुआ। 5. कुमणन ने महापंडित चात्तनार को अपनी तलवार इसलिए दी ताकि चात्तनार उनका सिर काटकर उनके भाई को सौंप दें जिससे उनका भाई चात्तनार को एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ दे दे। और वे उस धनराशि से अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। 6. हर व्यक्ति को जीवन में सदा दूसरों का भला करना चाहिए। हमेशा दूसरों के प्रति दया व सहानुभूति का भाव रखने चाहिए। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.** ब, 2. द, 3. द, 4. द, 5. अ, **(4) 1.** प्रजावत्सल, 2. ईमानदार, 3. चात्तनार, चित्रनार, 4. महाकवि, 5. कुमणन। **भाषा की बात : (क)** दुर्जन, अधपका, अधमरा, दुर्गुण, **(ख)** आसान, असफलता, निरादर, अपयश, अस्वीकार, अन्याय, **(ग)** 1. पहाड़ी, 2. असली, 3. ठंडा, 4. खराब, 5. बड़े, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-18 : द्वीप की खोज

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. आदिवासियों के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि नाव का निर्माण थी। 2. आदिवासियों की जीवन-शैली पाषाण युग के मनुष्यों के समान थी। 3. चावरावासियों ने याम और फलों को यह जानने के लिए चखकर देखा कि वे हानिकारक तो नहीं हैं। 4. केनो के वापस आने पर कारनिकोबारियों ने एक बड़ी नाव का निर्माण करना शुरू किया। 5. केनो को देखकर चावरा के वृद्ध लोगों ने निष्कर्ष निकाला कि आस-पास ही कहीं कोई द्वीप या देश है जहाँ से यह अद्‌भुत वस्तु आई है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. अ, 3. ब, **(4)** 1. नारियल, 2. बरतन, 3. कौतूहल, 4. यात्रा, **(5)**1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗। **भाषा की बात : (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा :** राधा, निकोबार, भारत, यमुना, चावरा द्वीप, **जातिवाचक संज्ञाः** नाव, फल, पाषाण, मनुष्य, बरतन, **भाववाचक संज्ञा :** गोलाई, प्यास, बुराई, गहराई,सफलता, **(ख) समुद्र :** सागर, सिंधु, जलधि, **भारत :** आर्यावर्त, भरतखंड, हिंदुस्तान, **दुनिया :** संसार, जगत, विश्व, **मनुष्य :** मानव, आदमी, व्यक्ति, **शरीर :** देह, तन, बदन, **(ग)** अंत, कुरूप, अवगुण, असक्रिय। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-19 : अंतिम शिक्षा

1.मौखिक : स्वयं करें। **लिखित :** 1. गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे। 2. पठान गुरु गोविंद सिंह से अपने बेचे घोड़ों का पैसा लेने आया था। गुरु जी ने उसे अगले दिन पैसे लेने के लिए कहा। इस पर पठान उन्हें भला-बुरा कहने लगा, जिससे क्रोधित होकर उन्होंने पठान के ऊपर खपाण से वार किया। 3. गुरु जी ने पठान के लड़के को नदी किनारे एक शिला दिखाई जिस पर लहू के छींटे लगे थे। 4. गुरु जी ने पठान से मरते समय कहा 'पुत्र, इतनी-इतनी विद्याएँ पढ़ने के पश्चात् आज तुझे ज्ञान आया है कि अन्याय का बदला किस तरह चुकाया जाता है। बस, आज मेरी अंतिम शिक्षा पूरी हो गई। अपने दिल की दुआ देकर जाता हूँ, प्यारे बेटे! '' 5. गुरु गोविंद सिंह ने पठान युवक को अंतिम शिक्षा उसके द्वारा उसके पिता का बदला लेने के लिए अपने ऊपर प्राणघातक प्रहार करा कर दी। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)**1. स, 2. स, 3. ब, 4. अ, **(4)** 1. कृपाण, 2. सिक्ख, 3. गुरुजी, 4. दिल, 5. परीक्षा, 6. शिला, **(5)** 1. गुरु गोविंद सिंह ने, पठान से, 2. भक्तों ने, गुरु गोविंद से, 3. पठान युवक ने, गुरु गोविंद से, 4. गुरु गोविंद सिंह ने, पठान युवक से, 5. गुरु गोविंद सिंह ने, पठान युवक से, 6. गुरु गोविंद सिंह ने, पठान युवक से, **भाषा की बात : (क) खुदा :** सारी दुनिया को खुदा ने बनाया है। **जुनून :** भगत सिंह के सिर पर आजादी का जुनून सवार

था। **शिला :** खुदाई में शिला की एक विशाल व प्राचीन मूर्ति मिली। **अन्याय :** हमें अन्याय के सामने नहीं झुकना चाहिए। **दुआ :** हमें सबकी सुरक्षा व कल्याण की दुआ करनी चाहिए। **(ख)** 1. पकड़, लिया, 2. निकल, पडे, 3. सुनाने, लगा, 4. उड़ता, रहा, 5. चले, गए।

सोचने-समझने की बात : स्वयं करें।

कुछ करने की बात : स्वयं करें।

अध्याय-20 प्रायश्चित्

1. मौखिक उत्तर : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. रसोईघर खुला छूट जाता तो कभी रसोईघर में बैठे-बेठे वह सो जाती। कबरी बिल्ली को तो मानो ऐसे मौके की तलाश ही रहती थी। मौका मिलते ही वह रसोईघर में घुस जाती और घी-दूध चट कर जाती। रामू की बहू की जान आफत में थी और कबरी बिल्ली के मजे ही मजे थे। उधर रामू की बहु दूध ढककर मिसरानी को आटा-दाल देने गई और इधर दूध गायब। रामू की बहू के लिए खाना-पीना मुश्किल हो गया था, वह परेशान रहने लगी। एक बार रामू की बहू के कमरे में माँ ने रबड़ी से भरी कटोरी भेजी। रामू के आने से पहले ही कबरी सारी रबड़ी चट कर गई। एक दिन बाजार से मलाई आई और जब तक रामू की बहु ने पान लगाया, मलाई गायब। 2. कबरी बिल्ली रसोईघर में रामू की बहु की आदत का लाभ उठा लिया करती थी और घर में रखा दूध-मलाई चट कर जाती थी। 3. रामू की बहू एक कटोरा दूध दरवाजे पर रखकर चली गई। हाथ में लकडी का पटरा लेकर लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी है। मौका हाथ आ गया। रामू की बहू ने अपनी ताकत लगाकर पटरे को बिल्ली पर दे मारा कबरी न हिली, न चीखी, न चिल्लाई। बस, एकदम लुढक गई। 4. आले के नीचे से उसने ऊपर कटोरे की ओर सूँघा, माल अच्छा है। आले की ऊँचाई का अनुमान लगाया और देखा कि बहू पान लगा रही है। पान लगाकर रामू की बहू जैसे ही सास जी को पान देने गई, कबरी ने एक ऊँची छलाँग मारी। उसका पंजा कटोरे पर लगा और कटोरा झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर गिर पड़ा। 5. सुनार ने सोने की एक बिल्ली बनवाकर बहू के हाथ से दान करवा दी जाए। जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो घर अपवित्र रहेगा। बिल्ली दफनाने के बाद इक्कीस दिन का पाठ किया जाए। 6. अंत में बिल्ली के विषय में महरी ने कहा कि माँ जी बिल्ली तो उठकर भाग गई। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)। **(4)** 1.घृणा, 2. घर के लोग, 3. बिल्ली, 4. पाठ। **(5)**1. ✗, 2. ✓, 3. ✗, 4. ✗, 5. ✓। **भाषा की बात :** (क) 1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यकाल, 4. वर्तमानकाल, (ख) 1. बडी-बडी, 2. पकड

में, 3. बोरी–भर एक, 4. छोटे और मोटे। (ग) लाल टोपी, दूर आकाश, गर्म जल, शैतान बच्चा। सफल व्यक्ति, चालाक पंडित, सच्चा सेवक। (घ). खीर का बर्तन टूटते ही रामू की बहु के सिर पर खून सवार हो गया था। 2. रामू को चोरी करते हुए देखकर मकान मालिक आग बबूला हो गया था। 3. रवि प्रतिदिन के स्कूटर खराब हो जाने से परेशान था उसने स्कूटर को बेचने की सोची और रहा न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी 4. बिल्ली को देखते ही चूहे नौ–दो–ग्यारह हो जाते हैं।

सोचने-समझने की बात : (क)1. भारतीय समाज में अंधविश्वास जैसे बिल्ली मारने एवं जादू टोने आदि रूपों में देखने को मिलता है। 2. स्वयं करें। (ख) स्वयं करें।

कुछ करने की बात : स्वयं करे।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER
YBPL
Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com